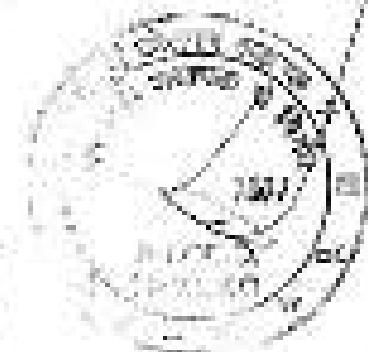


0383813167



प्रियदर्श विद्यालय

प्रतिवर्ष विद्युतीय	₹ १०,९०,३६५/-
वराह चुक्ति	₹ २०,११,८१३/-
कुल विद्युतीय रकम	₹ १४,७१२/-

- |    |                  |   |  |
|----|------------------|---|--|
| 1. | सूर्य का अध्ययन  | - | सूर्य                                  |
| 2. | समाज             | - | सिवानी                                 |
| 3. | पर्यावरण         | - | हालात और प्रक्रिया                     |
| 4. | पारंपरागी अध्ययन | - | सूर्य का सम्बन्ध सभा एवं उत्तरा D.L.C. |

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL



एक हजार रुपये

₹1000

ONE THOUSAND RUPEES

Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

4 602709



लोकतां विषय संखा 114 दस  
0.146 का रुपया 0.400 रुपया  
1.76 रुपया अनुमा 0.1611 दो लिपि  
तथा दोषाद्यु कंजी, बालव रिम्बो,  
कामीन र रिसा ब्रह्माद्वा।

१.	मानव शरीर	-	हिंदू
२.	मानवी जन्मवाल	-	0.0333 हिंदू
३.	मानव एवं शरीर	-	द्वादशवृह देव ए दामादारि, पर्व दे श अन्न 200 वेल न ओड़ा
४.	मानवी जन्मवाल	-	पौरी
५.	पौरी की लिपि	-	पौरी यह नहीं है।
१०.	बोलिया चुना बचा	-	चुना बोला गया है।

कामीनी उमरा गढ़ ज़ि



*गढ़ ज़ि*

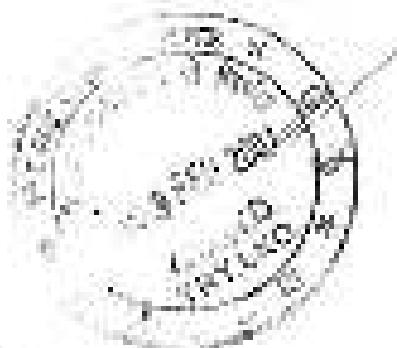
भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये  
₹1000

ONE THOUSAND RUPEES  
Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 602706



अमृता	लखनऊ का नंबर
संस्कृत	लखनऊ ०५०-२३८०
१०८	लखनऊ ०५०-२३८
विभाग	लखनऊ ०५०-२३८

लखनऊ का नंबर-११६	
अमृता	लखनऊ ०५०-११६९१
संस्कृत	लखनऊ ०५०-११६
१०८	लखनऊ ०५०-११६१११
विभाग	लखनऊ ०५०-११६११७

एस जा नॉ लखा-१	ठिक्कारा का नंबर-१
मिला डा विष्णु	खेला व मिला

भारतीय गैर-न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये  
₹1000

ONE THOUSAND RUPEES  
Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 602737



रामनाथ गुड़ द्वारा-  
यन इमानपुर ज़िले मण्डा  
दिल्लीय लोकोत्तोष न भिजा  
जाएगा।

अधिकारी- नृपेन

स्त्री लोक नाबहु गुड़ लोकी  
प्रशास तापा निवासी-रामामारु  
गोसाहेगांव लखनऊ।

मंत्रालय- नृपेन

यह लिख दिलेक रामनाथ गुड़ द्वारा निवासी-यन इमानपुर ज़िले  
परमा किनीर लोकोत्तोष द यिहा लखनऊ यह यह ऐ एक स्त्री गुमार  
रामनाथ गुड़ लोकी लोक चुका निवासी-रामामारु गोसाहेगांव,  
लखनऊ रिकॉर्ड आव ज्ञेय कर्त्ता यह ऐ दे पर्याय नियमित किया गया।



नरेन्द्र सिंह



## उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

5602735



एवं कि इंडिया नूप लकड़ी लेण्ड नहीं गवाता । १३७ विनेता, असम  
लकड़ी ११४ गवाता ०.३५६ एवं लुप्त गवाता ०.१८७ हो तो ०.५३ घण्टा अर्थात  
गवाता ०१० घण्टा लकड़ी लेन्वी, परामर्श दिल्ली, लकड़ीज ए लेन्वा  
लखनऊ ए गवाता, लकड़ीज ए कटिल डे लकड़ी लखनऊ अतारिया विवरिय  
लकड़ीनी लखनऊ ००.५७ के अनुदाह गुणी खेल्ला के जाप वा जम्बा गाम्ब  
शब्द लाक्षण्यों से ही आ है। खेल्ला अपने लक्ष्यों लिल्ला योंगा की इस  
प्रियता खिलोल द्वारा लिया जाता है के खेल्ला उपरोक्त लक्ष्यों भूमि के निश्चिप  
जानिदा ए वासिय है एवं अत्यंत अचम्प में उन्होंने चूपी लुप्त लुप्त है और उन्होंने  
गुणी मरवाता लूप्त वा लिल्ला लहं दे कि लिल्ला वह दोष लहता है कि

二三

卷之三

भारतीय नौरायाधिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

रु. 100

ONE

HUNDRED RUPEES

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

6 166162

उपरोक्त ग्रन्ति मुद्रा के गली से दुनाएँ रुपये वा साथ ही उपरोक्त ग्रन्ति में उपरोक्त मुद्रा के दुनाएँ रुपये वा लिए गिरी पा अनुबंधित होताहो नहीं रहता है। जिसका ३ अन्त भूमि पर सूचि अवधि पा अन्य अधिक का लिए चार तरह लिया है। यहाँ जैसे ऐसा इस प्रक्रिया में निकला है तो उसके लिए ज्ञाना विभाग व अस्ट्रेलियन व ब्रिटिश डाकाधिकार एवं डाकाधिकार द्वारा वा उग्रवा जौहा वा नियंत्रण व्यवस्था पा सरपरी छपाकी के अन्तर्गत लिए गया का उपरोक्त विषय नहीं है, = तो युक्त इसकी है। जिसका दो अन्ताः उत्तर पूर्व में लिये गये अक्षि जैसा रुपये वा उपरोक्त द्वारा नहीं है, एवं लिये गये उपरोक्त लिये गये रुपये वा उपरोक्त द्वारा नहीं है। अन्य

## भारतीय गैर न्यायिक

## एक सौ रुपये

Rs. 100

₹. 100

ONE  
HUNDRED RUPEES

भारत INDIA  
INDIA NON-JUDICIAL

## उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

G 166167

23



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

G 166166

प्रमाणित व हस्तांक के द्वारा दो लाखांश कर देय है। इस क्रमे  
विषयक ग्राम्य एवं शहरी उल्लेख भग वी अपने एकलाल अधिकार  
नियंत्रण व इसमें में स्वतंत्र ने दो दो लाख एवं उच्चों व लाखों लाखों  
प्रिक्त एवं अपने परिवास एवं जिलों प्रभाव वे गढ़वाल जब नहीं उत्तर  
प्रदेश व न ही अद्वितीय एवं अद्वितीय विषयक अन्यज्ञ अधिका  
रों व वग विभिन्न वे स्वामित्र ने दोहरे दो काला एवं दो अकाला वा अद्वितीय  
त्रुटि के कारण क्षेत्र को उत्तर के नामानि निष्पादनाम इत्याह ने जब्ते व  
अंग्रेजों एवं ग्राम्य लोगों लोगों अपने अपने अपने अपने अपने  
इत्याह को यह एवं लोगों लोगों एवं अपने अपने अपने अपने अपने अपने



कृष्ण देव

विदेशी वी नहे, अपर सम्बोध से बातें लेखता नहुन कर दें। जो शिरों  
में विज्ञा तथा उसके विविध लक्षण हों वे इन्हें ऐसा बात देंगे ।

इस लिए विज्ञा यह भी जीवित करता है कि उसने और अपनाक  
विज्ञा अधिकारी, उपचारक हथा 4000 आवाह एवं भेजता उपराज, उपचारक  
तथा शास्त्रीय विद्यार्थी आदि विद्यालयों सम्मान द्वारा अदिगीत गई  
हो गयी है ऐसे जहाँ प्रकार हैं ।

4. इस द्वेषा विषभूत सम्पत्ति को वर्णित ठाठिन यात्राक अधिकारी  
में उपने वाले होते हुए हैं तो विज्ञा ने कोई आवाह न दिया होता परं कि  
अब विज्ञा विदेश के पूर्ण वर आगे भी आप जैसी वाह का पार दें  
सम्भव नहीं होता तो उसने विज्ञा भूतान व नवने कर्त्ता विज्ञा जो एवं  
आवाह न देंगी ।

यह भी उपरका उल्लंग नाम, प्रथम उपचारक थृष्णु अदिगीत वेद के  
शिरोंकार वाले के अनांग आजा है इसनिए निर्दिगीत उपचारक हेतु 100  
13,75,000/- रुपये भूतान द्वे विषय से विज्ञा मूलम 0.00011 ट्रिलियन जी  
भूत विविध 1,11,512/- होती है । इस विज्ञा मूलम, भूमि जी वातान गृह्य  
है जोकि द्वे विज्ञा विषभूतान विविध चूना जहाँ हथा 19,300/- यात्रा  
द्वारा अन्त तिथि ना देता है । यह भी उपरोक्त विविध गृह्य वातान के उपरोक्त  
के लिए कहा जा रहा है । भूमि में गोहू एवं इनका भवि नहीं है क्य  
किंतु प्रथम द्वे विविध विविध वातान नहीं आ रही है वे कोई कानून, भूमि  
भी नहीं है, हथा 200 एकड़ व अपवाहनी जी जैसे विविध जी है विज्ञा भूमि  
विज्ञा हिंदू पांडि, हनुमान व नववासि मार्दान । जिन नहीं है । विज्ञा भूमि



ज्ञानिकाम्प

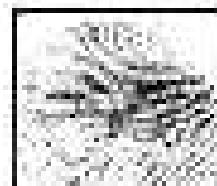
प्राप्ति वर्णन

1823/8/30 । 12,000.00

3,840.00 40 1,581.39 1,000

विदेशी रुपये  
का बंदरगाह  
में दूरी  
सिवायी लागत भवानी लागत  
उपलब्ध नहीं  
नेहरू सेवाकारी कानूनी विभाग । 02/2007 का ५.१५ प्र.  
को मिस्र के लिए।

विदेशी रुपये भवानी लागत उपलब्ध



कृष्ण शुभ्रा

ज्ञान विज्ञान (ज्ञान)

लापत्ति

। १८३३८८

ज्ञान विज्ञान, बुक्स - अपने पक्षी न दाख चाहिए न छोड़ता हो

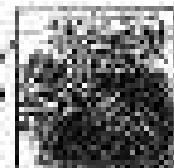
विभाग

विदेशी रामान  
कुपानी ने ५.६  
दूरी  
सिवायी लागत भवानी लागत



विभाग

विदेशी रामान विभाग  
कुपानी ने भवानी लागत  
दूरी  
सिवायी रामान विभाग



विभाग विभाग विभाग।

विदेशी रामानी ने विभाग विभाग विभाग

का नहीं दूरी करने।

विभाग

विभाग विभाग विभाग विभाग

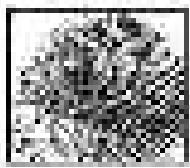
विभाग विभाग विभाग विभाग

विभाग

विभाग विभाग विभाग

विभाग।

ज्ञान विज्ञान विभाग विभाग विभाग विभाग।



कृष्ण शुभ्रा

ज्ञान विज्ञान (ज्ञान)

लापत्ति

। १८३३८८

मुख्य रूप से अंग्रेजी भाषा से लगभग २०० वर्तमान में एक दूसरी पर हिंदू है। इन्होंने ऐसा कहा जिसका अनुशनिक गति के उल्लंघन है। हाँ किस दिल्ली के निष्ठापन का लाला व्यष्टि कहा गया था।

हिलन पर विजय पर विजेता ने खोदा के १५ में लिख देखा यहि  
साहस्र रुपी अवधारणा दृष्टि ॥४॥ बहु भवते ।

परीक्षा संग्रह विभाग

१. श्रीमति. नार को ₹ 1,02,300/- लाग देन (प्ला-प्ला) ३५ पुर  
दिव्यांशु. १५.०२.२००७ पंजाब नेटवर्क ईम. ०८०४०८८८८८८ श्रीमति  
ली. ज्ञान. ६२।

४० लक्ष लोन हे एक किला पूला 1,92,365/- (एक लाख चाहत हात) तेव ये एक गवळे लोन हे ग्राम ३५ विट्ठी अंग दिल्या स्थिराकरणे आहे ।

2002

Page 19

**खातः-संग्रह की**

Digitized by srujanika@gmail.com

18 中国古典名著

CIVIL WAR

## 2. सिक्षा प्रवेश का

ଶ୍ରୀମଦ୍ଭଗବତ

۱۷۳

१८५

लक्ष्मी कुमार (संक)

1990-1991

Q. ~~What~~: ~~What~~

Rating

27

Digitized by srujanika@gmail.com

[निकट रमेश लिख]

四三·五五

**Print**

Registration No. 1421

Year: 2007

Part No.

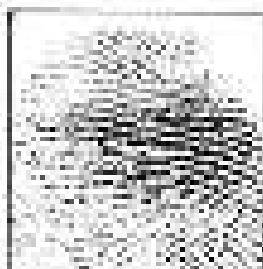
1

0101-04471

100

every child needs

100



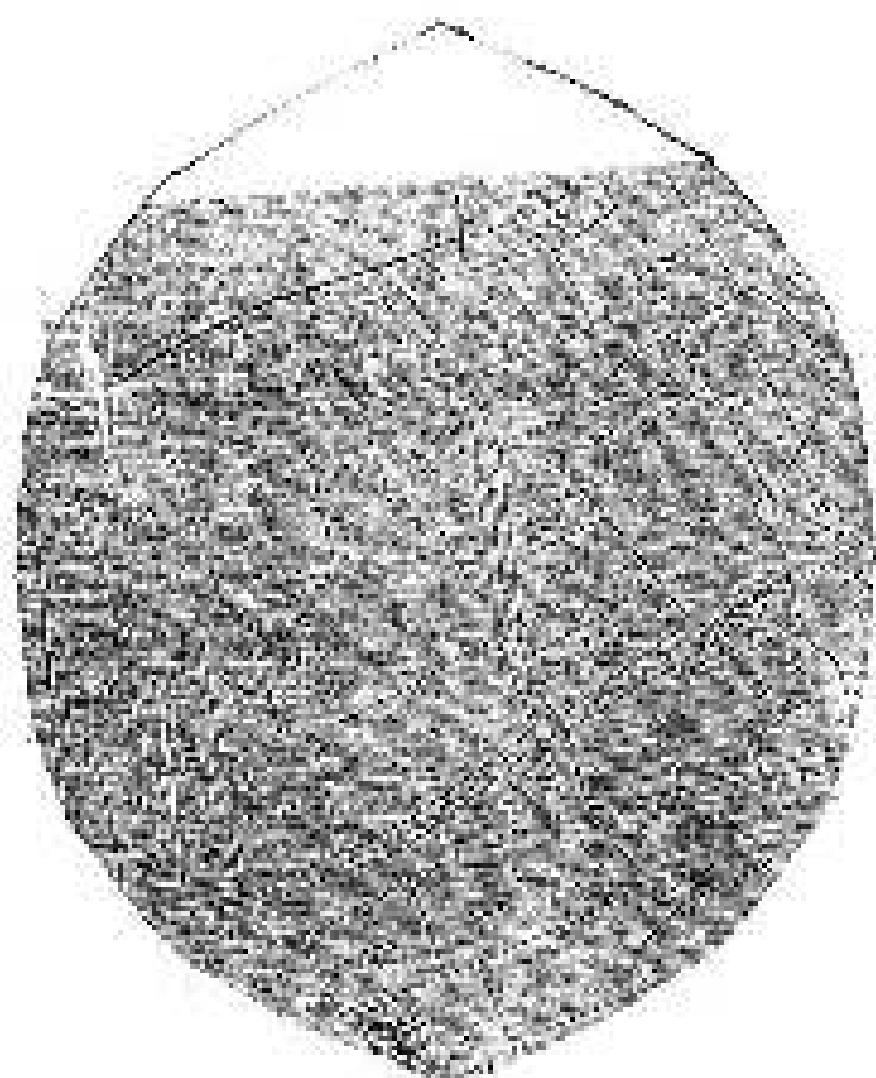
100

प्र० १८७५ अक्टूबर

२२१४६ विकास देव

३५८२८८

२५.३.१८७५



५८४

Registration No. 1452

Year : १९७६

Book No. 1

०००१ असिंक्रान्त वर्ण  
०००२ असिंक्रान्त वर्ण  
०००३ असिंक्रान्त वर्ण  
०००४



— — — — —

हुंजिरस्ट्रैब अधिका० १९३०। की शारा - ३२ तु० के अवृपालग हैं।

### कालर्स प्रिन्टर्स

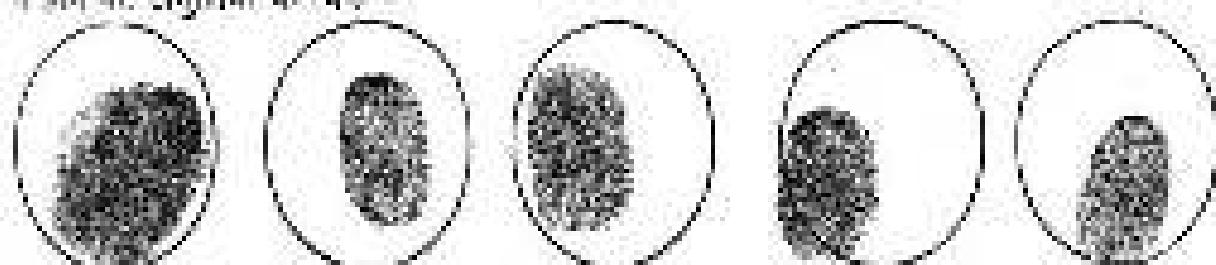
हुंजिरस्ट्रैब गाम व ला :-

२१७८५

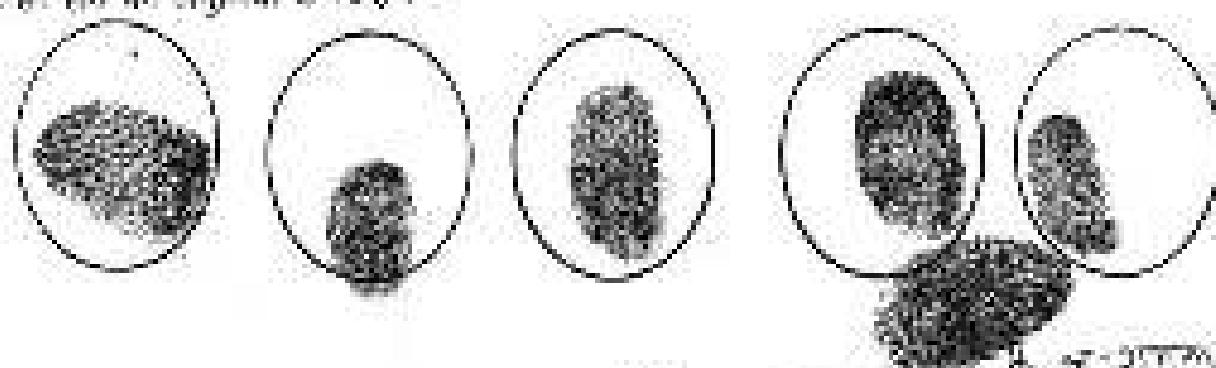
१२०

१२०४८५

गोला वाले अनुचितों के लिए



दाढ़ी वाले अनुचितों के लिए :-



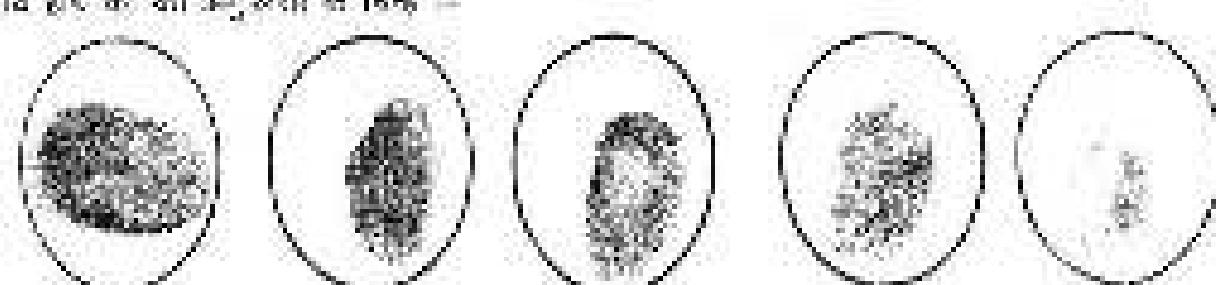
२१७८५  
हुंजिरस्ट्रैब

हुंजिरस्ट्रैब गाम व ला

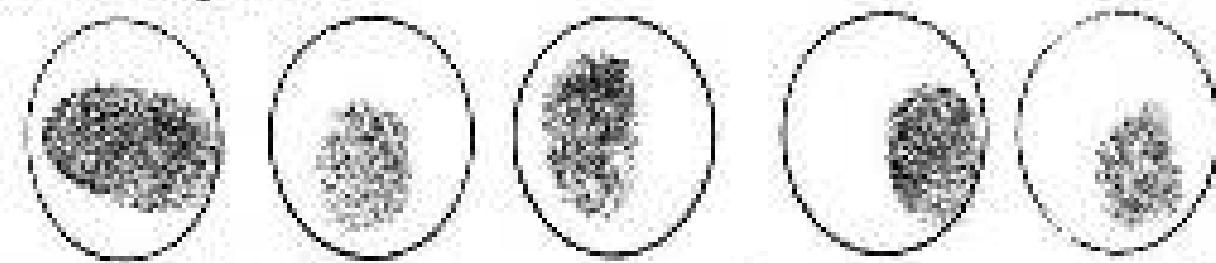
कालर्स प्रिन्टर्स

१२० १२०४८५

दाढ़ी वाले गोले अनुचितों के लिए



दाढ़ी वाले अनुचितों के लिए :-



२१७८५  
हुंजिरस्ट्रैब गाम व ला

आज दिनांक 10/02/2017 आ

संख्या १ लिखा रखा 8118

पुळ स १३ वी १४४ ग्राममत्ता 1491

प्रैरंगन किया गया।

महाराष्ट्र राज्य विकास

मंडळ अध्यक्ष (प्रभारी)

नामांकन

1491/2017